एसआईएमटी में सांस्कृतिक वार्षिकोत्सव का आयोजन, मुख्य अतिथि कैलाश गहतोड़ी ने किया उद्घाटन

छात्र-छात्राओं ने पेश किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

अमृत विचार, काशीपुर

एसआईएमटी में सांस्कृतिक वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

रामनगर रोड स्थित संस्थान में आयोजित समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय देहरादून कुलपति प्रो. डॉ. ओंकार सिंह, विशिष्ट अतिथि वन विकास निगम अध्यक्ष कैलाश गहतोड़ी, मेयर उषा चौधरी, उद्योगपति योगेश जिंदल, पवन अग्रवाल, राजीव घई ने दीप प्रज्वलित कर किया। बीएड की छात्राओं ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किए। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने भारतीय संस्कृति की सत्यता को दर्शाते हुए प्रचंड, शिव तांडव, राधा-कृष्ण नाटक, कुमाऊंनी, गढ़वाली, भांगड़ा, डांडिया, गुजराती, हरियाणवी नृत्य आदि की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर संस्थान प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग की सहायक प्रवक्ता डॉ. गुलनाज सिद्दीकी को निरंतर 10 वर्ष से अपनी सेवाएं देने के लिए लॉन्ग सर्विस अवार्ड, संस्थान मैनेजर एचआर अमृता अग्रवाल, असिस्टेंट एवं मैनेजर (पी एंड ए) आशीष कुमार को बेस्ट एंप्लॉयी अवार्ड से सम्मानित किया गया। साथ ही 28 मेधावी छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। संस्थान अध्यक्ष रविंद्र कुमार ने 18 वर्षों में संस्थान द्वारा अर्जित उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संस्थान में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को विश्वस्तरीय शिक्षा देने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। प्रोजेक्ट, इंटर्नशिप सहित अन्य माध्यमों से उनकी पढ़ाई कराई जा रही है।

काशीपुर संस्थान में लंबी सेवा देने के लिए कर्मी को सम्मानित करते अतिथि।

यही कारण है कि संस्थान के छात्र-छात्राएं अपनी निष्ठा, लगन और परिश्रम के बल पर देश विदेश के अलग-अलग हिस्सों में विभिन्न प्रसिद्ध बहुराष्ट्रीय कंपनियों में कार्यरत हैं। मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) ओंकार सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को संयम, मर्यादा एवं अनुशासन के साथ जीवन व्यतीत करना चाहिए। उनको प्रैक्टिकल ज्ञान पर फोकस करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि आने वाली पीढ़ी को वो सभी अवसर प्रदान करें, शिक्षा के साथ-साथ उनके बहुमुखी विकास के लिए संभावनाएं उपलब्ध कराऐं। कैलाश गहतोड़ी ने कहा कि यदि हम अच्छा समाज एवं अच्छी संस्कृति चाहते हैं तो हमें स्वयं से शुरुआत करनी होगी। तभी हम विभिन्न अव्यवस्थाओं को दूर कर सुसंस्कृत समाज का निर्माण कर सकते हैं। वहां पर निदेशक प्रो. डॉ. योगराज सिंह, प्राचार्य डॉ. एसएस कुशवाहा, कुलदीप गोस्वामी, दीप्ती सिरोही, डॉ. शिप्रा शर्मा, डॉ. अर्चना शर्मा, अमृता अग्रवाल, डॉ. पृथ्वी राज सन्याल, डॉ. सुनीता शर्मा, बलविंदर सिंह, मानसी रावत, हर्षित चावला आदि मौजूद रहे।